एक नजर

ज्वाइंट स्कल बेस न्यूरोसर्जरी पर आज से कार्यशाला

कोलकाता : मेडिका सुपरस्पेशलिटी हास्पिटल ज्वाइंट स्कल बेस न्यूरोसर्जरी पर शनिवार व रविवार को कार्यशाला का आयोजन करेगा। बंगाल के विभिन्न सरकारी व निजी अस्पतालों के 100 से भी अधिक चिकित्सक इसमें भाग लेंगे। इसके अलावा भिन्न राज्यों से भी करीब 20 चिकित्सकों के इसमें शरीक होने की उम्मीद है। सम्मेलन में भाग लेने वालों में हेलसिंकी, फिनलैंड के प्रो. जूहा हर्नेसनिमी, पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीच्यूट आफ मेडिकल एजुकेशन एंड रिसर्च, चंडीगढ़ के प्रो. एसके गुप्ता, आल इंडिया इंस्टीच्यूट आफ मेडिकल साइंस (एम्स) नई दिल्ली के प्रो. आशीष सूरी, संजय गांधी पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीच्यूट आफ मेडिकल साइंसेज, लखनऊ के प्रो. संजय बिहारी एवं अपोलो हास्पिटल, चेन्नई के डा. सिद्धार्थ घोष के नाम उल्लेखनीय हैं। इस साल मुख्य फोकस लाइव सर्जरी होगी।

हरियाणा के शिक्षा मंत्री का आज महानगर में

कोलकाता : हरियाणा के शिक्षा एवं परिवहन मंत्री रामविलास शर्मा शनिवार को महानगर आ रहे हैं। वे रविवार को हरियाणा विद्या मंदिर का परिदर्शन करेंगे। इसके बाद विद्यालय के वार्षिक सांस्कृतिक कार्यक्रम में भाग लेंगे। इसके बाद उनके सम्मान में आयोजित समारोह में वे भाग लेंगे। इसकी जानकारी हरियाणा सेवा सदन के सचिव विष्णुदास मित्तल ने विज्ञप्ति में दी है।

नेताजी इंडोर में टीटीएफ का आगाज

टीटीएफ के उद्घाटन समारोह में पूर्व राष्ट्रपति एपीजे अब्दुल कलाम के निधन पर शोक पालन करते मेला कमेटी के पदाधिकारीगण।

कोलकाता : नेताजी इंडोर स्टेडियम में शुक्रवार को ट्रेवल एंड टूरिज्म फेयर (टीटीएफ) का उद्घाटन किया गया। तीन दिनों तक चलने वाले इस फेयर में 375 से ज्यादा प्रतिभागियों ने अपना-अपना स्टाल लगाया है। इसमें 13 देशों व 25 भारतीय राज्यों ने हिस्सा लिया है। इसमें स्टेट टूरिज्म बोर्ड, नेशनल टूरिस्ट आफिस, होटेलियर, एयरलाइंस, टूर आपरेटर्स एवं ट्रेवल एजेंट्स, आनलाइन ट्रेवल कंपनी, रेलवे समेत अन्य ट्रेवल मार्केट भी शामिल हैं। मेले का प्रथमार्द्ध सिर्फ ट्रेवल ट्रेड के लिए रिजर्व किया गया है। इसके बाद शनिवार दोपहर के बाद व रविवार पूरा दिन सबके लिए खुला रहेगा। मेले का आयोजन फेयरफेस्ट मीडिया ने किया है।

सरकार शीघ्र सुधारेगी डिजिटल राशन कार्ड की त्रुटियां

कोलकाता : राज्य के खाद्य आपूर्ति मंत्री ज्योतिप्रिय मल्लिक ने कहा है कि डिजिटल राशन कार्ड की खामियों को जल्द ही दुरुस्त कर लिया जाएगा। उन्होंने स्वीकार किया कि उपभोक्ताओं द्वारा राशन कार्ड पर अंकित नाम, पता व परिवर्तित फोटो के संदर्भ में विभागीय अधिकारियों के पास कई शिकायतें पहुंची हैं जिस पर कदम उठाया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि इस मुद्दे पर फॉरवर्ड ब्लॉक के समर्थकों ने गत दिनों विरोध प्रदर्शन किया था। इस पर मल्लिक ने फॉरवर्ड ब्लॉक पर भूल को राजनीतिक रूप देने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि खाद्य सुरक्षा अधिनियम के कार्यान्वयन और खाद्य एवं आपूर्ति विभाग से संबंधित अन्य मामले पर चर्चा के लिए शीघ्र ही सभी विधायकों, सांसदों और पंचायत प्रधानों के बीच बैठक की जाएगी। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक वितरण प्रणाली को बड़े पैमाने पर ई-गवर्नेंस से जोड़ा जा रहा है।

जयश्री टैक्सटाइल्स मिल के प्रबंधक का घेराव

हुगली : वेतन बढ़ोत्तरी की मांग को लेकर आदित्य बिड़ला समूह की रिसड़ा स्थित जयश्री टैक्सटाइल्स मिल के मजदूरों ने शुक्रवार मिल प्रबंधक का घंटों घेराव किया। सैकड़ों श्रमिकों ने प्रबंधक संदीप भट्टाचार्य व उपप्रबंधक समरनाथ मुखर्जी का कार्यालय सुबह से रात तक घेर कर रखा। रात को करीब 9.30 बजे पुलिस के हस्तक्षेप करने के बाद घेराव हटा। श्रमिकों का आरोप है कि प्रबंधन मजदूरों के वेतन में वृद्धि करने से कतरा रहा है। श्रमिक संगठन यूनियन के संयुक्त कमेटी के संयोजक जयप्रकाश सिंह ने बताया कि तीन साल की समझौता अवधि समाप्त होने जाने के बाद भी प्रबंधन श्रमिकों की बुनियादी मांगों पर ध्यान नहीं दे रहा है। इससे क्षुब्ध श्रमिक घेराव करने पर बाध्य हुए। इस मिल में करीब 4 हजार श्रमिक काम करते हैं।

जीआरएसइ ने आयोजित किया व्यावसायिक साझेदार सम्मेलन

कोलकाता : गार्डेनरीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स लिमिटेड (जीआरएसइ) ने भारतीय उद्योग महासंघ (सीआइआइ) के साथ मिलकर व्यावसायिक साझेदार सम्मेलन का आयोजन किया, जिसमें जीआरएसइ के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक रीयर एडमिरल एके वर्मा (सेवानिवृत्त), निदेशक (शिपबिल्डिंग) कमांडर आर घोष, निदेशक (वित्त) एस एस डोगरा समेत अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। गौरतलब है कि जीआरएसइ के तहत इस समय 14 युद्धपोतों का निर्माण चल रहा है।

बीएसएफ ने जब्त की एक किलो हेरोइन

कोलकाता : सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जवानों ने मुर्शिदाबाद जिले में भारत-बांग्लादेश सीमा के पास से एक किलोग्राम हेराइन जब्त की है, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करोड़ों रुपये आंकी गई है। बीएसएफ के साउथ बंगाल फ्रंटियर मुख्यालय की ओर से प्राप्त जानकारी के मुताबिक, गुरुवार को मुर्शिदाबाद जिले के लालगोला थाना अंगर्तत बॉर्डर आउट पोस्ट रेणु के पास मादक तस्कर की आवाजाही के बारे में गुप्त सूचना मिलने के बाद 04 नंबर बटालियन के जवानों को सतर्क कर दिया गया। इसके बाद गुरुवार पूर्वाह्न करीब 11.30 बजे जवानों ने सीमा के पास तस्कर की संदिग्ध हलचल महसूस की।

बायकाट जारी रहने पर कानूनी कार्रवाई

- न्यायाधीश गिरीश गुप्ता ने कहा विचार-विमर्श कर चाहता हूं समाधान
- बार एसोसिएशन से मांगी पुलिस व अधिवक्ताओं को बाधा देने वाले अधिवक्ता के नाम की सूची

जागरण संवाददाता, कोलकाता : कलकत्ता हाईकोर्ट में लगातार जारी बायकाट से नाराज न्यायाधीश गिरीश गुप्ता ने मामले में अब कड़ा रुख अपनाया है। शुक्रवार को उन्होंने बार एसोसिएशन से पुलिस व अधिवक्ताओं को उनकी अदालत में प्रवेश पर बाधा देने वाले तमाम अधिवक्ताओं के नाम की सूची मांगी है। इसके अलावा बार एसोसिएशन की जिस सभा में उनकी अदालत के बायकाट का फैसला लिया गया था उस सभा की वैधता पर भी उन्होंने आशंका जाहिर करते हुए सभा से संबंधित तमाम दस्तावेज जमा देने का निर्देश दिया है। जिसमें बायकाट के पक्ष व विपक्ष में रहने वाले तमाम अधिवक्ताओं के नाम की भी सूची मांगी गई है। इसे आगामी सोमवार को राज्य के महाधिवक्ता की उपस्थिति में अदालत में पेश करने को कहा गया है।

सिर्फ इतना ही नहीं उन्होंने बार हड़ताली अधिवक्ताओं को धमकी देते हुए कहा है कि 150 वर्ष के कलकत्ता हाईकोर्ट के इतिहास में इस तरह का बायकाट कई बार किया गया है और बायकाट करने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई भी की गई है। बायकाट अगर इसी तरह चलता रहा तो वे इसमें शामिल लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई कर सकते हैं क्योंकि उन्हें यह अधिकार है। हालांकि वे कोई कदम उठाने से पहले हड़ताली अधिवक्ताओं के साथ मिलकर उनसे मिलकर विचार-विमर्श कर मसले का हल निकालना चाहते हैं।

इन सबके बावजूद इस दिन विभिन्न थाने के पुलिस जब केस डायरी लेकर पहुंचे तो उन्हें फिर गिरीश गुप्ता की अदालत में जाने से रोक दिया गया और सरकारी अधिवक्ता भी इस दिन अनुपस्थित रहे। गौरतलब है कि गत बुधवार को न्यायाधीश गिरीश गुप्ता द्वारा दिए गए निर्देश के बाद गुरुवार को भी 11 पुलिस वाले केस डायरी लेकर अदालत में पहुंचे थे लेकिन उन्हें कोर्ट में जाने से रोक दिया गया था।

एसोसिएशन भी बातचीत से चाहता है समाधान

न्यायाधीश गिरीश गुप्ता की ओर से कड़ा रुख अपनाते ही बार एसोसिएशन ने भी बातचीत से समस्या समाधान की इच्छा प्रकट की है। एसोसिएशन का कहना है कि निर्देशानुसार वे सोमवार की सुबह अदालत खुलते ही न्यायाधीश गिरीश गुप्ता की अदालत में हाजिर होंगे। एसोसिएशन न्यायाधीश द्वारा दिए गए निर्देश पर बुधवार तक स्थगन लगाने का आवेदन करेंगे। फिर बातचीत से मसले का समाधान निकालने का प्रयास किया जाएगा।

कुणाल साहा के मामले को अन्य अदालत में स्थानान्तरित करने का निर्देश

कोलकाता : सुप्रीम कोर्ट ने कलकत्ता हाईकोर्ट की मुख्य न्यायाधीश मंजूला चेल्लुर को निर्देश दिया है कि वे डा. कुणाल साहा के मामले को न्यायाधीश गिरीश गुप्ता की अदालत से अन्य अदालत में स्थानांतरित करें क्योंकि बायकाट की वजह से आवेदन कर्ता को परेशानी हो रही है। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को डा. कुणाल साहा के मामले की सुनवाई के दौरान यह निर्देश दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार गत 22 जुलाई से बार एसोसिएशन न्यायाधीश गिरीश गुप्ता की अदालत का बायकाट कर रहे हैं, जिसका खामियाजा आवेदनकर्ताओं को भुगतना पड़ रहा है। डा. कुणाल साहा का मामला भी इसी अदालत में है। बायकाट के बाद उन्होंने मामले की जल्द से जल्द सुनवाई के लिए सुप्रीम कोर्ट में आवेदन किया था। इसी मामले पर सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने आवेदनकर्ता के अधिवक्ता को निर्देश दिया कि वे पत्र देकर हाईकोर्ट की मुख्य न्यायाधीश मंजूला चेल्लुर से मामला अन्य पीठ में स्थानांतरित करने को कहें। गौरतलब है कि कोर्ट रुम में एक अधिवक्ता के साथ कथित तौर पर दुर्व्यवहार करने के आरोप में हाईकोर्ट के बार एसोसिएशन की ओर उनकी अदालत का बायकाट किया जा रहा है।

मोर्चा नेताओं की जमानत पर फिर टली सुनवाई

जागरण संवाददाता, कोलकाता : अखिल भारतीय गोरखा लीग अध्यक्ष मदन तमांग हत्याकांड में 21 मोर्चा नेताओं द्वारा कलकत्ता हाईकोर्ट में दायर अग्रिम जमानत याचिका पर फिर से शुक्रवार को सुनवाई टल गई। आज सीबीआइ ने हलफनामा देकर कहा कि तमांग हत्याकांड में अंतरिम जमानत याचिका हाईकोर्ट नहीं स्वीकार कर सकता है। सीबीआइ ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर मामले की जांच हो रही है और सीबीआइ ने सुप्रीम कोर्ट में इसकी रिपोर्ट भी जमा की है। कलकत्ता हाईकोर्ट इस मामले को नहीं स्वीकार कर सकता। मोर्चा नेताओं को अग्रिम जमानत का आवेदन निचली अदालत में करना होगा। इस दिन मोर्चा नेताओं की जमानत याचिका पर सुनवाई के दौरान सीबीआइ ने यह हलफनामा पेश किया। इसके बाद न्यायाधीश ने मोर्चा पक्ष के अधिवक्ता से कहा कि सीबीआइ के इस हलफनामा पर उनका क्या कहना है? 10 दिनों के अंदर वे भी हलफनामा देकर इस पर अपना मत जाहिर करें। मामले पर अगली सुनवाई आगामी 26 अगस्त को होगी। गौरतलब है कि गत 1 जुलाई को कलकत्ता हाईकोर्ट ने इन मोर्चा नेताओं की गिरफ्तारी पर स्थगन लगाया था। वहीं हाईकोर्ट में एक और मामला लंबित है जिसमें मदन तमांग की पत्नी भारती तमांग ने मोर्चा नेताओं पर धमकी देने का आरोप लगाया है।

अब कुणाल के मामले से हटे न्यायाधीश

कोलकाता : हजारों करोड़ के सारधा चिटफंड घोटाले में गिरफ्तार परिवहन व खेल मंत्री मदन मित्रा के बाद अब न्यायाधीश ने तृणमूल से निलंबित सांसद कुणाल घोष के मामले को सुनने से मना कर दिया है। शुक्रवार को कलकत्ता हाईकोर्ट के न्यायाधीश गिरीश गुप्ता की अदालत में कुणाल घोष की जमानत याचिका पर सुनवाई होनी थी। पहले तो इस दिन उनका मामला लड़ने के लिए कोई अधिवक्ता नहीं मिला जिसके बाद उनके ससुर ने स्वयं मामले में पैरवी की। दूसरी ओर न्यायाधीश ने भी याचिका को सुनने से मना कर दिया। अदालत से मिली जानकारी के अनुसार इस दिन न्यायाधीश गिरीश गुप्ता ने व्यक्तिगत कारणों का हवाला देकर मामले को सुनने से मना कर दिया है। इससे पहले कुणाल घोष ने निचली अदालत में अंतरिम जमानत के लिए आवेदन किया था। इस मामले पर 20 जुलाई को हुई सुनवाई के दौरान सीबीआइ के विरोध की वजह से न्यायाधीश ने उनकी याचिका को खारिज कर दिया था। सीबीआइ की ओर से साफ कहा गया था कि कुणाल घोष प्रभावशाली व्यक्ति हैं और जमानत मिलने पर वे जांच को प्रभावित करेंगे। इसके बाद गत बुधवार को उन्होंने कलकत्ता हाईकोर्ट में जमानत के लिए आवेदन किया था। जिस पर न्यायाधीश पीछे हट गए।

कल से महादेवसाल रुकेगी इस्पात एक्सप्रेस

जासं, कोलकाता : दक्षिण पूर्व रेलवे ने श्रावण मेला पर श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए महादेवसाल में इस्पात एक्सप्रेस का अस्थाई ठहराव किए जाने की घोषणा की है। रेलवे की ओर से जारी विज्ञप्ति के अनुसार भोले के भक्तों के लिए 2 से 30 अगस्त तक प्रत्येक रविवार और सोमवार को (12871/12872) हावड़ा-तितलागढ़-हावड़ा इस्पात एक्सप्रेस को अस्थाई तौर पर महादेवसाल में रोका जाएगा।

अब स्टेशन की सुरक्षा करेंगे कमांडो

जागरण संवाददाता, कोलकाता : गुरदासपुर में आतंकी हमला और बंबई सीरियल ब्लास्ट का आरोपी याकूब मेमन की फांसी के बाद किसी भी अनहोनी से निपटने और पंद्रह अगस्त के मद्देनजर पूर्व रेलवे प्रशासन द्वारा सतर्कता जारी किए जाने के बाद सुरक्षा व्यवस्था को और पुख्ता करते हुए सियालदह और हावड़ा स्टेशनों पर निगरानी के लिए आरपीएफ के कमांडो दस्ते को तैनात किया गया है। हालांकि पहले उक्त कमांडो के कंधे पर राजधानी जैसी महत्वपूर्ण ट्रेनों की सुरक्षा थी। लेकिन रेल प्रशासन ने अब आरपीएफ के हवाले राजधानी की सुरक्षा कर दी है। इसके पीछे तर्क यह है कि सियालदह और हावड़ा जैसे भीड़भाड़ वाले महत्वपूर्ण स्टेशनों की सुरक्षा बेहद जरूरी है, यही वजह है कि कमांडो को ट्रेनों से हटाकर स्टेशनों पर लगाया गया है। रेल प्रशासन के अनुसार कमांडो को हटाने से राजधानी की सुरक्षा में कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। सूत्र की माने तक रेलवे सुरक्षा बल के पास तकरीबन 55 कमांडो मौजूद हैं। इनमें से 16 कमांडो सियालदह और बाकी कमांडो को हावड़ा स्टेशन की सुरक्षा में लगाया गया है। इनकी तैनाती तीन शिफ्टों में की गई है। इसके अलावा सियालदह स्टेशन पर लगे 24 में से काम कर रहे 20 सीसीटीवी कैमरों पर दिखाई देने वाली हर हरकत पर निगरानी के लिए आरपीएफ के इंस्पेक्टर स्तर के अधिकारी को लगाया गया है। अंजनी कुमार सिन्हा, वरिष्ठ मंडलीय सुरक्षा आयुक्त (आरपीएफ) ने कहा कि सतर्कता जारी होने के बाद सियालदह स्टेशन की सुरक्षा की समीक्षा कर आरपीएफ को और कड़े बंदोबस्त करने के साथ ही प्लेटफार्म और ट्रेनों में सघन तलाशी के आदेश दिए गए हैं।

जिला अधिकारी ने किया प्रभावित इलाकों का निरीक्षण

संवाद सूत्र, बैरकपुर : उत्तर 24 परगना की जिला अधिकारी मनमीत नंदा ने शुक्रवार को तूफान व बाढ़ से प्रभावित इलाकों का निरीक्षण किया। स्वरुपनगर ब्लॉक के विभिन्न इलाकों में घूम घूम कर परिस्थिति का जायजा लिया। पीड़ितों की मदद के लिए लगाये गये राहत कैंप में भी पहुंचीं। मालूम हो कि जिले के हाबरा नगर पालिका के पांच वार्ड, अशोकनगर नपा के दो वार्ड, गाईघाटा ब्लॉक के चारघाट, तेतुल-मिर्जापुर, सगुना ग्राम पंचायत, सटुआ और बल्देघाटा गांव बीते दिनों आये तूफान से बुरी तरह प्रभावित हुए हैं। उक्त इलाके इच्छामती व जमुना नदी के तटवर्ती इलाके हैं। नदियों का जलस्तर बढ़ने के कारण उक्त इलाकों में जमा पानी कम नहीं हो रहा है। मनमीत नंदा ने प्रभावितों से पूछताछ कर स्थिति का जायजा लिया। मनमीत ने पत्रकारों को बताया कि तूफान का काफी नुकसान हुआ है। स्वरुपनगर ब्लॉक के कई इलाके जलमग्न हैं। उन इलाकों में 50 राहत शिविर खोले गये हैं, जहां करीब 4500 लोग शरण लिए हुए हैं। शिविर में रह रहे लोगों के लिए चावल व अन्य खाद्य सामग्री दी जा रही है। मवेशियों के लिए भी शिविर लगाये गये हैं। राजारहाट-गोपालपुर नपा के साथ ही साल्टलेक के कई इलाकों में पानी जमा हुआ है। प्रशासन की ओर से पानी निकालने की व्यवस्था की जा रही है।

मुर्शिदाबाद के कांदी में फिर बने बाढ़ के हालात

कोलकाता : वीरभूम जिले के तिलपाड़ा डैम से 60 हजार क्यूसेक पानी छोड़े जाने से मुर्शिदाबाद के कांदी इलाके में एक बार फिर बाढ़ के हालात पैदा हो गए। पहले से ही जलमग्न हुए गांवों का पानी निकल भी नहीं पाया था कि एक बार फिर डैम से छोड़े गए पानी से कांदी से जुड़े कई गांव जलमग्न हो गए। कांदी महकमा अधिकारी बिजिन कृष्ण ने बताया कि बाढ़ से निपटने के लिए बाढ़ नियंत्रण कंट्रोल रूम खोला गया है जिसे 24 घंटे हालात पर नजर बनाए रखने के आदेश दिए गए हैं। गांवों में पानी भरने से करीब 40 हजार लोग घरों में कैद हो गए हैं। कहा कि हालात पर आला अधिकारी भी निगाह बनाए हुए हैं। जलमग्न हुए गांवों के लोगों को खाद्य सामग्री मुहैया कराई जा रही है। करीब 15 हजार पानी के पाउच भी बांटे गए हैं।

बाढ़ प्रभावित इलाकों में युद्ध स्तर पर राहत पहुंचाये सरकार : भाकपा

कोलकाता : भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) ने बंगाल सरकार से अविलंब दक्षिण बंगाल के विभिन्न जिलों में बाढ़ की स्थिति से निपटने के लिए उपयुक्त व्यवस्था करने की मांग की है। शुक्रवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी कर भाकपा के प्रदेश सचिव मंडली ने कहा कि सरकार से प्रभावित लोगों को अविलंब खतरा वाले जगहों से हटाने, राहत सामग्री पहुंचाने की मांग की है। साथ ही प्रभावित इलाकों में दवाइयां और मेडिकल टीम भेजने की मांग की है। इसके अलावा किसानों को निःशुल्क खाद, बीज व जरूरी सामग्री देने की मांग की। लगे हाथ प्रभावित किसानों को बैंक से पर्याप्त लोन व सरकारी मदद देने की मांग की गई है।

एफएमसीजी कारोबार से आइटीसी का एक लाख करोड़ आय हासिल करने का लक्ष्य

मीडिया से मुखातिब आइटीसी के चेयरमैन वाईसी देवेश्वर।

राज्य ब्यूरो, कोलकाता : प्रमुख उपभोक्ता वस्तु कंपनी आइटीसी लिमिटेड ने अपने त्वरित खपत उपभोक्ता वस्तु (एफएमसीजी) कारोबार से 2030 तक एक लाख करोड़ रुपये आय हासिल करने का लक्ष्य रखा है। फिलहाल कंपनी की एफएमसीजी कारोबार की सालाना बिक्री नौ हजार करोड़ रुपये है। शुक्रवार को कोलकाता में कंपनी की सालाना आम बैठक में आइटीसी के चेयरमैन वाईसी देवेश्वर ने कहा, हम एफएमसीजी के हर क्षेत्र में प्रवेश करेंगे। हम देश की अग्रणी एफएमसीजी कंपनी बनना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि जहां तक आय का सवाल है, कंपनी में विकास हो रहा है, लेकिन शुद्ध लाभ काबिले तारीफ नहीं है। क्योंकि हम भविष्य के लिए कारोबार खड़ा कर रहे हैं।

आइटीसी प्रमुख ने कहा कि कंपनी 1,000 करोड़ रुपये निवेश के साथ पश्चिम बंगाल में दूसरा होटल बना रही है। उन्होंने कहा कि राज्य में कुल 3,500 करोड़ रुपये निवेश करने की योजना है। इसके साथ ही कंपनी राज्य में दो कारखाने भी लगा रही है और एक इंफोटेक केंद्र भी स्थापित कर रही है। देश भर में कंपनी की 65 परियोजनाओं पर 25 हजार करोड़ रूपये निवेश करने की योजना है। यह निवेश होटल, पर्यटन इत्यादि क्षेत्रों में किया जाएगा। उन्होंने हावड़ा के उलबेड़िया और पांचला में योजनाओं के जल्द पूरा होने की उम्मीद जताई। देवेश्वर ने राज्य की वर्तमान सरकार की औद्योगिक नीति और तत्परता से संतुष्टि जताई। उन्होंने कहा कि राज्य में निवेशकों को आकर्षित करने के लिए मुख्यमंत्री प्रयासरत हैं। कंपनी ने तेलंगाना में 8 हजार करोड़ का निवेश किया है। यहां पेपर प्लांट की अनुमति का इंतजार है। बिहार के मुंगेर में डेयरी प्रोजेक्ट भी जल्द शुरू हो जाएगी। आइटीसी चेयरमैन ने भारतीय ब्रांड पर गर्व जताया।

अक्षय ऊर्जा के क्षेत्र में 3000 करोड़ निवेश करेगी सीईएससी

मीडिया से मुखातिब सीईएससी के चेयरमैन संजीव गोयनका।

जागरण संवाददाता, कोलकाता : कोलकाता स्थित देश की दिग्गज बिजली उत्पादन व आपूर्ति करने वाली कंपनी सीईएससी लिमिटेड ने अक्षय ऊर्जा के क्षेत्र पर ध्यान केंद्रित करने का फैसला किया है। इसके तहत कंपनी ने इस क्षेत्र में 3,000 करोड़ रुपये निवेश करने की योजना बनायी है। सीईएससी के चेयरमैन संजीव गोयनका ने शुक्रवार को कोलकाता में कंपनी की सालाना वार्षिक बैठक में इसकी घोषणा की।उन्होंने कहा कि कंपनी अगले 18 महीनों से अक्षय ऊर्जा की क्षमता बढ़ाकर 500 मेगावाट करेगी। इस पर कुल 3000 करोड़ खर्च होंगे। कंपनी की वर्तमान अक्षय ऊर्जा क्षमता 74 मेगावाट है। इसके साथ ही ताप विद्युत के क्षेत्र में भी संभावनाएं तलाश रही है। इसके तहत कुछ संयंत्रों के मालिकों के साथ बातचीत चल रही है। कंपनी राजस्थान, गुजरात, तमिलनाडु और मध्य प्रदेश में छोटी के साथ-साथ बड़ी पवन और सौर परियोजनाओं का विकास कर रही है। फिलहाल सीईएससी और उसकी सहायक कंपनियों की थर्मल सहित कुल विद्युत उत्पादन क्षमता 2,500 मेगावाट है। बिजली उत्पादक कंपनी सीईएससी लिमिटेड ने 30 जून 2015-16 को समाप्त पहली तिमाही में 152 करोड़ रुपये का एकल शुद्ध लाभ कमाया। मौजूदा वित्त वर्ष की अप्रैल जून तिमाही में उसकी कुल आय घटकर 1704 करोड़ रुपये रही। कंपनी ने गत वर्ष की समान तिमाही में 1863 करोड़ रुपये की कुल आय पर 151 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया था।

जेयू: विद्यार्थियों से कैफेटेरिया में मिला करेंगे कुलपति

जागरण संवाददाता, कोलकाता : कलकत्ता विश्वविद्यालय में लगभग दो दशक तक कार्यरत रहने के बाद अब प्रोफेसर सुरंजन दास यादवपुर विश्वविद्यालय में कुलपति के तौर पर यहां की स्थिति सामान्य रखने की हरसंभव कोशिश में जुटे हैं। सुरंजन दास ने बताया कि विद्यार्थियों के साथ अपने रिश्ते को सहज बनाने के लिए वे उनसे साथ नियमित बातचीत सत्र आयोजित करना चाहते हैं। इसके लिए भी उन्होंने एक अलग और दिलचस्प तरीका खोजा है। विद्यार्थियों से अपने कार्यालय में मिलने के बजाय वे उनसे विश्वविद्यालय के कैफेटेरिया में मिलकर अनौपचारिक माहौल में बातचीत करने के इच्छुक हैं। ताकि विद्यार्थियों के साथ उनका खुला और पारदर्शी रिश्ता कायम हो सके। इसके पहले गत दिनों जेयू में कार्यभार संभालने के बाद ही उन्होंने अपने कमरे से सीसीटीवी हटवा दिये थे। कुलपति ने कहा कि अनौपचारिक माहौल में बातचीत का मकसद है कि विद्यार्थी अपनी छोटी-मोटी रोजमर्रा की दिक्कतों से लेकर बड़ी एकेडमिक समस्याओं को बता सकें। उन्हें इसके लिए आंदोलन करने की जरूरत ना पड़े। उन्होंने कहा यादवपुर विश्वविद्यालय में शिक्षकों व विद्यार्थियों के बीच खुला माहौल है। यहां शिक्षक-छात्र एक साथ खड़े रखकर बातें करते, हंसते, मजाक-मस्ती भी करते हैं। मुझे इस दोस्ताना वातावरण का फायदा मिलेगा। शिक्षकों और विद्यार्थियों दोनों की ही अवसर मिलेगा कि वह अपनी समस्या मेरे साथ साझा कर सके। सुरंजन दास के मुताबिक यादवपुर व कलकत्ता विश्वविद्यालय में बड़ा अंतर है, दोनों की तुलना करना गलत होगा। दोनों संस्थानों में माहौल बिलकुल अलग है। गौरतलब है कि गत जनवरी में छात्र आंदोलन के बाद पूर्व कुलपति अभिजीत चक्रवर्ती को अपने पद से इस्तीफा देना पड़ा था।

ओम नमः शिवाय...

श्री श्री नागरेश्वर महादेव मंदिर

आर्मेनियम गंगा घाट के समीप स्ट्रैंड रोड स्थित श्री श्री नागरेश्वर महादेव मंदिर एक जागृत मंदिर है। श्रद्धालुओं का विश्वास है कि यहां सच्चे मन से भगवान शंकर की आराधना करने से मनोरथ पूरी होती है। यहां के स्वयंभू शिवलिंग के दर्शन-पूजन के लिए दूर-दूर से श्रद्धालु आते हैं। मान्यता है कि यहां अपने आप शिवलिंग की उत्पति हुई है। इस मंदिर में भगवान शिव का समस्त परिवार विराजमान है। माता पार्वती, कार्तिक देव, गणेशजी, नंदी, हनुमानजी के साथ माता दुर्गा की मूर्ति प्रतिष्ठित हैं। मंदिर में काल सर्पेश्वर भी हैं, जिनकी पूजा करने से गंभीर संकट दूर हो जाता है।

इतिहास

यह मंदिर करीब 150 साल प्राचीन है। यहां के मुख्य पुजारी व सेवायत चंद्रशेखर शास्त्री के पूर्वजों ने इस मंदिर की स्थापना की थी। वे मां काली के उपासक थे। कहा जाता है कि देवी की प्रेरणा से इस मंदिर की स्थापना हुई। सिद्धांतजी महाराज की देखरेख में वर्ष 1921 में पूर्ण रूस से इसका निर्माण कराया गया। वर्ष 2001 में अनियंत्रित ट्रक के टकरा जाने से मंदिर क्षतिग्रस्त हो गया था। मंदिर का जीर्णोद्धार कार्य वर्ष 2002 में शुरू हुआ था जो 2003 में पूरा हुआ। इसके बाद इसके उचित रखरखाव के उद्देश्य से श्री श्री श्री नागरिश्वरी नागरेश्वर महादेव मंदिर मैनेजिंग ट्रस्ट का गठन किया गया। मंदिर में देश के विभिन्न क्षेत्रों से साधु-संत भी आते रहते हैं।

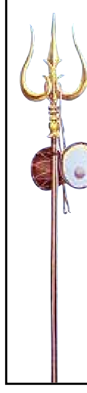

तैयारियां

श्रावण माह में मंदिर की भव्य रूप में सजावट की जाती है। फूल, बेल पत्र और रूद्राक्ष से शिवलिंग के विशेष श्रृंगार के साथ ही भोलेनाथ से संबंधित आकर्षक झांकियां सजाई जाती है। इस पवित्र माह में यहां विशेष रूद्राभिषेक किया जाता है। इसके लिए मंदिर के पुजारी एवं भक्तगण तन्मयता से सक्रिय हैं। सावन के अवसर पर यहां श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ती है। इस दौरान तारकेश्वर धाम और बैजनाथ धाम जाने वाले शिवभक्त भी इस मंदिर में दर्शन-पूजन करते हैं। इसके अलावा यहां शिवरात्रि पर लिंगोद्भव अभिषेक का आयोजन होता है। इस अवसर पर भव्य शोभायात्रा भी निकलती है।

> “ मंदिर के प्रति श्रद्धालुओं में असीम आस्था है। मैं करीब 30 साल से भगवान की सेवा कर रहा हू। यहां दूर-दूर से श्रद्धालु आते हैं। दर्शन के लिए सुबह से रात तक राहगीरों का तांता लगा रहता है। यहां सुबह 6 से 7 बजे तथा शाम को 7 से 7.30 बजे तक आरती की जाती है। इसके अलावा विशेष तिथियों पर यहां भगवान शंकर के साथ विराजमान अन्य देवी-देवताओं की विशेष पूजा-अर्चना की जाती है।
>
> **-चंद्रशेखर शास्त्री**
> **मुख्य पुजारी, श्री श्री नागरेश्वर महादेव मंदिर एवं मैनेजिंग ट्रस्टी**

श्रद्धा का महासावन

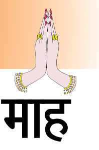

आध्यात्मिक सिद्धि पाने का माह

जगतगुरु स्वामी वासुदेवानंद सरस्वती

सृष्टि की ऊर्जा एवं शक्ति का केंद्र शिव हैं। सच्चे भाव के भूखे भोलेनाथ (शिव) की कृपा पाने का उत्तम पर्व है श्रावण मास। भगवान शिव की स्तुति कर उनसे आध्यात्मिक सिद्धि, साधना एवं भौतिक जीवन में सुख-समृद्धि पाने के लिए श्रावण मास में विशेष अनुष्ठान किए जा सकते हैं। शिव की स्तुति से साधक को भव, भय और हर बाधा का हरण होता है। यही कारण है कि भगवान शंकर को शास्त्रों में 'भाविहि मेटि सकई त्रिपुरारी' कहा गया है। श्रावण मास में भगवान शंकर जी के प्रति विशेष आस्था व उपासना के लिए भक्त कांवड़ लेकर जाते हैं। शिव को जल चढ़ाकर वह स्वयं के पापों के लिए क्षमा याचना करते हुए समृद्ध भविष्य की याचना करते हैं। इस वर्ष चातुर्मास में श्रावण पर्व पड़ा है। इस पावन अवसर पर तीर्थराज प्रयाग में रहकर साधना करने का अवसर अत्यंत सौभाग्यशाली लोगों को मिलता है। यहां आध्यात्मिक साधना, तपस्या, यज्ञादि का गुणगान शास्त्रों में वर्णित है।

आपको भी कुछ कहना है? हमें लिखें... indrajit@kol.jagran.com

रुकावट की राजनीति करती है भाजपा : आशुतोष

वार्ता सत्र में बोलते आम आदमी पार्टी के नेता व प्रवक्ता आशुतोष। ।

- कहा- मौजूदा स्वरुप में स्वीकार्य नहीं भूमि अधिग्रहण बिल
- विकास के नाम पर जनता को गुमराह करने का लगाया आरोप

जागरण संवाददाता, कोलकाता : आम आदमी पार्टी के नेता व प्रवक्ता आशुतोष ने केंद्र सरकार पर रुकावट की राजनीति करने का आरोप लगाया है। उन्होंने भाजपा पर आरोप लगाते हुए कहा कि भाजपा ने दिल्ली सरकार को बदनाम करने और दिल्ली के भीतर सीमित रखने का भरसक प्रयास किया है। वे कोलकाता में शुक्रवार को इंडियन चेंबर आफ कामर्स की ओर से आयोजित वार्ता सत्र में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। बकौल आशुतोष रुकावट की राजनीति देश व राज्य के लिए ठीक नहीं है। भाजपा पर आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार विकास के नाम पर जनता को गुमराह कर रही है।

उन्होंने कहा कि जो काम पहले कांग्रेस करती थी वही काम अब भाजपा कर रही है। लगातार संसद की कार्यवाही बाधित होने पर आशुतोष ने कहा कि भाजपा ने भी कांग्रेस के खिलाफ इसी तरह का रवैया अख्तियार किया था जो आज कांग्रेस कर रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा आप सरकार के स्टैंड से नाराज इसलिए दिल्ली सरकार के साथ ऐसा ही कर रही है। उन्होंने कहा कि आप अपने सचिवों का चयन नहीं करती। यहां तक कि जनता द्वारा चुने गए मुख्यमंत्री के परामर्श के बिना ही अधिकारियों को स्थानांतरित कर दिया जाता है। आशुतोष ने कहा कि जब भी हम अपनी नीतियों और एजेंडा को लागू करने की कोशिश करते हैं हमारे अधिकारियों का तबादला कर दिया जाता है। बाद में पत्रकारों से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि आप सरकार के साथ दिल्ली के उपराज्यपाल नजीब जंग से कोई व्यक्तिगत बैर नहीं है बावजूद इसके वे सीधे प्रधानमंत्री कार्यालय के निर्देशों का पालन करते हैं।दूसरी ओर, भूमि अधिग्रहण बिल पर बोलते हुए आशुतोष ने कहा कि मौजूदा स्वरूप में इसे किसानों के हित में नहीं कहा जा सकता इसलिए यह स्वीकार्य भी नहीं है। आशुतोष ने बिल में कुछ मौलिक संशोधन की हिमायत की। बिल को किसान विरोधी करार देते हुए उन्होंने कहा कि आप की ओर से सरकार को बिल में बुनियादी बदलाव के लिए आग्रह किया गया है।

भूमि बिल का विरोध जारी रहेगा : ममता

राज्य ब्यूरो, कोलकाता : तृणमूल प्रमुख व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने एक बार फिर कहा कि मोदी सरकार के नए भूमि अधिग्रहण बिल का विरोध जारी रहेगा। उन्होंने यह भी दोहराया है कि उनकी पार्टी इसका विरोध कर रही हैं और आगे भी करती रहेगी। एक विदेशी न्यूज संस्था को दिए साक्षात्कार में कहा कि जीएसटी (गुड्स एंड सर्विस टैक्स) बिल पर उनकी सहमति थी, इसलिए उनकी पार्टी ने केंद्र सरकार को राज्यसभा व लोकसभा में केंद्र सरकार का समर्थन किया। ममता ने एक बार फिर अपनी उपलब्धियों को गिनाते हुए एक सवाल के जवाब में कहा कि मैं ऐसी 100 चीजें बता सकती हूं, लेकिन आपने पांच पूछा है तो मैं पांच ही बताती हूं। पहली बात तो यह है कि आर्थिक स्थिति बहुत खराब थी। हमने राज्य की आय को दोगुना कर दिया। हमारी आय 20 हजार करोड़ से बढ़कर अब 40 हजार करोड़ रुपये हो चुकी है।

दूसरा, बंगाल में हमने ई-सुधार के तहत ई-ट्रेंडिंग, ई-कॉमर्स, ई-सर्विस टैक्स जैसी सर्विस शुरू की। इसमें पश्चिम बंगाल को भारत में पहला स्थान मिला है। हमारे राज्य में लड़कियों के सशक्तीकरण के लिए कन्या श्री योजना शुरू की गई है जिसके तहत 24 लाख लड़कियों को लाभ मिलेगा। योजना के तहत आठवीं से लेकर बारहवीं तक पढ़ने वाली लड़कियों को छात्रवृति दी जाएगी। इसके अलावा 18 साल की उम्र होने पर सरकार की ओर से लड़कियों के बैंक अकाउंट में 25 हजार रुपये डाल दिए जाते हैं। पिछड़े मुसलमानों को 17 फीसद आरक्षण दिया गया है। इसके तहत 97 फीसद मुस्लिम आते हैं। अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के छात्रों के लिए भी हमने स्कॉलरशिप शुरू की। हम पश्चिम बंगाल के नौ करोड़ लोगों में से तीन करोड़ बीस लाख लोगों को 2 रुपए प्रति किलो की दर से चावल दे रहे हैं। इसके अलावा दो करोड़ बीस लाख लोगों को 3 रुपये प्रति किलो चावल देने की योजना है।